Study of Internet Banking Going On in India

ISRJ

INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL

ISSN NO : 2230-7850

IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)

VOLUME - 11 | ISSUE - 11 | DECEMBER - 2021

''भारत में चल रहे इन्टरनेट बैंकिंग का अध्ययन''

डॉ.चन्द्रकला अरमोती[1], डॉ.देवेन्द्र सिंह बागरी[2]

[1]सहायक प्राध्यापक , रानी दुर्गावती शा.स्नातकोत्तर महा.वि.मण्डला.

[2]सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर.

परिचय – Introduction :-

इंटरनेट बैंकिंग वह प्रणाली है जो ग्राहक को उसके नेट बैंकिंग अकाउंट से वित्तीय और गैर–वित्तीय ट्रांन्जेक्शन करने की सुविधा प्रदान करती है। बैंक खाता धारक इंटरनेट पर जाकर नेट बैंकिंग अकाउंट, RTGS, NEFT आदि का उपयोग कर राशि ट्रान्सफर, बैंक अकाउंट बैलेंस चैक आदि कार्य कर सकते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग अपने ग्राहकों को चौबीसों घंटे 'कहीं भी' बैंकिंग सेवाएं प्रदान करता है. यह ग्राहकों को बिना शाखा में जाए, कहीं भी केवल माउस के एक क्लिक पर विभिन्न बैंकिंग सेवाएं (पूछताछ, खाता खोलना / बंद करना, चेकबुक, निधि अंतरण, आनलाइन टैक्स और उपयोगिता सेवाओं के भुगतान इत्यादि) का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान करता है. हमारी वेबसाइट को ई–भुगतान, जैसे जीएसटी का भुगतान, अप्रत्यक्ष कर (उत्पाद शुल्क और सेवा कर), प्रत्यक्ष कर, और विदेश व्यापार महानिदेशालय के लाइसेंस शुल्क के अ०नलाइन भुगतान आदि की सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार की विभिन्न वेबसाइट के साथ एकीकृत किया गया है।

इंटरनेट बैंकिंग क्या है ?

इंटरनेट बैंकिंग वह प्रणाली है जो ग्राहक को उसके नेट बैंकिंग अकाउंट से वित्तीय और गैर–वित्तीय ट्रांन्जेक्शन करने की सुविधा प्रदान करती है। बैंक खाता धारक इंटरनेट पर जाकर नेट बैंकिंग अकाउंट, **RTGS, NEFT** आदि का उपयोग कर राशि ट्रान्सफर, बैंक अकाउंट बैलेंस चौक आदि कार्य कर सकते हैं। ग्राहक द्वारा उपयोग किया जाने वाला संसाधन कंप्यूटर, लैपटाप या मोबाइल फोन की तरह एक इलेक्ट्रानिक उपकरण हो सकता है। इंटरनेट वह माध्यम है जो तकनीक को संभव बनाता है।

इंटरनेट बैंकिंग की सुविधा बैंकों के माध्यम से प्रदान की जाती है और ग्राहक को उसके लिए उपलब्ध सुविधा प्राप्त करने के लिए किसी भी बैंक में खाताधारक होना चाहिए।

1. **रिटेल ग्राहक :–** यह सुविधा वैयक्तिक इंटरनेट बैंकिंग के रूप में जानी जाती है जो सभी व्यक्तियों को अपने खातों को अ०नलाइन परिचालित करने के लिए है. इसके निम्नलिखित सुविधाओं के साथ उपलब्ध है।
2. **केवल देखने की सुविधा :–** यह बिना किसी लेन–देन की सुविधा के केवल खाता संबंधी जानकारी हेतु सक्षम है।
3. **देखें और आनलाइन भुगतान :–** इसमें केवल देखने एवं आनलाइन कर और बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।
4. **पूर्ण लेनदेन अधिकार :–** इसमें सभी प्रकार की निधि अंतरण एवं जानकारी की सुविधा उपलब्ध है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

5. व्यावसायिक ग्राहक :- व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग के रूप में जानी जाने वाली इस सुविधा को हमारे व्यावसायिक ग्राहकों के लिए अपने व्यवसाय को आसानी से चलाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सुविधा मेकर / चेकर, बल्क अपलोड आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान करती है।

नेट बैंकिग जिसे आनलाइन बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग भी कहते हैं, एक इलेक्ट्रानिक भुगतान प्रणाली है जो बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान के ग्राहकों को वित्तीय संस्था की वेबसाइट के माध्यम से वित्तीय लेनदेन की एक शृंखला का संचालन करने में सक्षम बनाती है।

आनलाइन बैंकिंग, ग्राहकों को उनके नेट बैंकिंग खाते से वित्तीय और गैर-वित्तीय लेनदेन करने की सुविधा प्रदान करती है। यूजर वेबसाइट या आनलाइन एप्लीकेशन का उपयोग करके उसी बैंक / विभिन्न बैंक के अन्य खातों में अपने खाते से धनराशि ट्रान्सफर कर सकता है। ग्राहक वित्तीय लेनदेन करने के लिए रिसोर्स और माध्यम का उपयोग करता है। ग्राहक द्वारा उपयोग किया जाने वाला संसाधन कंप्यूटर, लैपटाप या मोबाइल फोन की तरह एक इलेक्टानिक उपकरण हो सकता है। इंटरनेट वह माध्यम है जो तकनीक को संभव बनाता है।

इस प्रणाली का सबसे बड़ा लाभ है कि कोई भी व्यक्ति घर या कार्यालय या कहीं से भी से बैंक सुविधा का लाभ उठा सकता है। आनलाइन बैंकिंग इंटरनेट पर बैंकिंग संबंधी मिलनेवाली एक सुविधा है, जिसके माध्यम से कंप्यूटर का इस्तेमाल कर उपभोक्ता बैंकों के नेटवर्क्स और उसकी वेबसाइट पर अपनी पहुंच बना सकता है और घर बैठे ही खरीददारी, पैसे का स्थानांतरण के अलावा अन्य तमाम कार्यों और जानकारी के लिए बैंकों से मिलने वाली सुविधा का लाभ उठा सकता है। भारत में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किये गए शुरुआती आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2008 से जनवरी 2009 तक इलेक्ट्रानिक माध्यम से 558585 करोड़ रुपए का लेनदेन किया गया।

किन्तु इस लाभ पर प्रश्नचिह्न भी लग जाता है, जब आजकल फिशिंग द्वारा तकनीक के दुरुपयोग से इंटरनेट के जालसाज लोगों के खातों को हैक कर उन्हें हानि पहुंचा रहे हैं। ऐसे में आवश्यक है कि नेट बैंकिंग के प्रयोग में अत्यंत सावधानियां बरती जाएं। नेट बैंकिंग का प्रयोग करते हुए उपयोक्ता को यूआरएल की जांच कर लेनी चाहिये। कई रिपोर्ट द्वारा ये पुष्टि होती है, कि प्रयोग की जाने वाली 50 प्रतिशत वेबसाइट असुरक्षित होती हैं। ऐसे में नेट सर्फिंग करने वाले व्यक्ति के लिये से यह अत्यंत आवश्यक है कि वह पूरी जाँच के उपरांत ही वेबसाइट खोले। किसी भी साइट के यूआरएल पते और डोमेन जांच करें और देखें कि यह उसी बैंक के यूआरएल और डोमेन की तरह हो, ऐसे में यह संभावना काफी हद तक प्रबल हो जाती है कि उपयोक्ता सुरक्षित वेबसाइट का प्रयोग कर रहे हैं। नेट बैंकिंग सेवा का प्रयोग करने वालों को इसे प्रत्येक तीन दिनों में जांचते रहना चाहिये।

इसके साथ ही उपयोक्ता को चाहिये कि वे इस सेवा का बाहर प्रयोग न करें। नेट बैंकिंग के लिए इंटरनेट कैफे और सांझे कंप्यूटर का प्रयोग इस सुविधा हेतु कम करें और यदि कैफे या सांझे कंप्यूटर से प्रयोग करते भी हैं, तो अपना पासवर्ड नियमित रूप से बदलते रहें। यह सुरक्षित तरीका रहेगा। उपयोक्ता अपने कंप्यूटर सिस्टम को सीधे बंद न करें। प्रायः लोग ब्राउजर बंद कर कंप्यूटर सीधे बंद कर देते हैं जो असुरक्षित हो सकता है। हमेशा कंप्यूटर सिस्टम ठीक से लाग आफ करें। इसके अलावा अपने पासवर्ड का पूरा एवं उचित व सुरक्षित उपयोग करें। अपने पासवर्ड को किसी कागज पर न लिखें। इसे सरलता से हैक किया जा सकता है। अपनी मशीन में पावर आन पासवर्ड डाल दें ताकि उनके अलावा कोई और उनकी मशीन न खोल सके। सिस्टम पर स्क्रीनसेवर पासवर्ड डाल दें ताकि कोई और सिस्टम का प्रयोग न कर सके। इन कुछ बातों का ध्यान रखकर नेट बैंकिंग सुविधा का पूरा एवं सुरक्षित लाभ उठाया जा सकता है।

बैंकों ने अब यह सुविधा आनलाइन कर दी है जिससे हमारे समय की बहुत बचत होती है और हम घर बैठकर ही सारे प्रोसीजर को पूरा कर लेते हैं लेकिन यह काम हमें बड़ी सावधानी से करना पड़ता है क्योंकि आजकल बहुत से मामले सामने आऐ है कि आपके अकाउंट से कभी भी पैसे गायब हो सकते हैं इसलिए **Internet Banking** बड़े सावधानी से करनी चाहिए और हां इस बात का ध्यान रखें बैंकिंग का पासवर्ड बगैरा अपने मोबाइल में ना छोड़ें न ही मोबाइल में सेव करें सिर्फ उसे याद रखना है जैसे कि हमें एटीएम कार्ड का पासवर्ड कहीं पर लिख देते हैं तो उसे विशेष याद रखे हैं आजकल अगर आप सावधानी से काम नहीं कर सकते तो हमारा बैंक अकाउंट का खाता हैक किया जा सकता है इसलिए **Internet Banking** की सुविधा का लाभ उठाने के लिए बहुत सी सावधानियां बरतनी पड़ती हैं।

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

VOLUME - 11 | ISSUE - 11 | DECEMBER - 2021

ग्राहकों को ई–बैंकिंग देने के लिए मुख्य रूप से दो तरीके हैं :–

- इलेक्ट्रानिक ट्रांन्जेक्शन सेवा देने वाले भौतिक उपस्थिति बैंक।
- ट्रांन्जेक्शन सेवा प्रदान करने वाले वर्चुअल बैंक

आनलाइन बैंकिंग कैसे करें ?

आज के आधुनिक युग को अगर हम इंटरनेट युग या डिजिटल युग कह सकते हैं तो हम इसे किसी भी नाम से पुकार सकते हैं मॉडन होने का मतलब इंटरनेट ही है आज के जमाने में हम हर काम इंटरनेट के द्वारा आनलाइन कर सकते हैं उसमें से एक इंटरनेट बैंकिंग भी है इंटरनेट बैंकिंग की सहायता से हम अपने बैंक के सारे काम घर बैठे कर सकते हैं इससे हमारे समय की बचत भी होती है और भीड़ से भी हम बच जाते हैं क्योंकि हमारे देश की जनसंख्या बहुत ज्यादा है इसलिए हर जगह जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

नेट बैंकिंग कैसे करें :–

आपने देखा की नेट बैंकिंग से हमें कितनी सुविधाएं मिलती हैं लेकिन इसका इस्तेमाल कैसे करें आप यह हम आपको बताएंगे।

- नेट बैंकिंग को शुरू करने के लिए हमें बैंक जाना होगा जिस बैंक में हमारा अकाउंट है। वहां पर एक फ०र्म मिलेगा उसे भरकर हमें सबमिट करना होगा।
- फार्म बड़े ध्यान से भरे नहीं तो इंटरनेट सुविधा का फायदा नहीं उठा पाएंगे और हमारे मोबाइल या लैपटाप में यह एक्टिव नहीं हो पाएगा।
- फार्म को भरने के बाद हमें बैंक काउंटर पर इसे जमा करना होगा फार्म जमा करने के बाद बैंक से हमें एक यूजर आईडी और पासवर्ड मिलेगा वह हमें संभाल कर रखना है।
- जब हम इंटरनेट बैंक सुविधा को चालू करने के लिए अपने मोबाइल या लैपटाप से उस बैंक की आफिशियल वेबसाइट पर जाएंगे तो हम यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करेंगे।
- उस बैंक की वेबसाइट पर जब हम लोगइन करेंगे तो वहां यूजर आईडी और पासवर्ड यूज करना है।
- लाग इन करने के बाद आपके सामने फार्म खुलकर आएगा उसे सही तरीके से बना है। अगर इंफार्मेशन कुछ गलत भर दे बाद में आपको परेशानी हो सकती है।
- फार्म को भरने के बाद आप इसे सबमिट कर दें तो आपका इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट शुरू हो जाएगा और आप इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

इंटरनेट बैंकिंग का उद्देश्य :–

इंटरनेट बैंकिंग बैंक से संबंधित एक सुविधा है जिससे हम अपने कंप्यूटर लैपटाप या मोबाइल से आपरेट कर सकते हैं। आज के आधुनिक युग में हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमारे पास वक्त नहीं है हम अब इतने बिजी रहते हैं कि हमारे पास टाइम नहीं है कि हम बैंक जाकर लंबी–लंबी कतारों में लगे अगर हमें कैश निकालना है, जमा करना है या मनी ट्रांसफर करना होता हैं तो इसका एक लंबा प्रोसीजर होता है यह पहले हम फार्म ले फिर से भरे हैं और फिर मुझे सही हम बैंक काउंटर पर जाते हैं तो हम क्या देखते हैं कि और लंबी लंबी लाइनें लगी हुई हैं पता चला कि हमें 2 घंटे इस काम में लग गए इन्हीं सब चीजों से छुटकारा दिलाने के लिए हैं।

इंटरनेट बैंकिंग की विशेषताएं :–

इस सुविधा का उपयोग करने वाला ग्राहक ट्रांन्जेक्शन और गैर–ट्रांन्जेक्शन संबंधी कार्य कर सकता है, जिसमें शामिल हैं :–

- ग्राहक अकाउंट स्टेटमेंट देख सकता है।
- ग्राहक संबंधित बैंक द्वारा किसी निश्चित अवधि में हुए ट्रांन्जेक्शन की जानकारी जान सकता है।
- बैंक, स्टेटमेंट, विभिन्न प्रकार के फार्म, एप्लिकेशन डाउनलोड किए जा सकते हैं।
- ग्राहक फंड ट्रांसफर कर सकता है, किसी भी तरह के बिल का भुगतान कर सकता है, मोबाइल,DTH कनेक्शन इत्यादि का रिचार्ज कर सकता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act
E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

- ग्राहक ई–कामर्स प्लेटफार्म पर खरीद और बेच सकता है।
- ग्राहक व्यापार का निवेश और संचालन कर सकता है।
- ग्राहक परिवहन, यात्रा पैकेज और मेडिकल पैकेज बुक कर सकता है ग्राहक को इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करने पर मिलने वाले लाभों की लिस्ट बहुत लंबी है।

इंटरनेट बैंकिंग के लाभ या नेट बैंकिंग के लाभ :–

- आप अपने बैंक अकाउंट की सभी जानकारी घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से कंप्यूटर लैपटाप के मोबाइल पर देख सकते हैं पुराने ट्रांसेकशन की सारी जानकारी हम इसके माध्यम से देख सकते हैं।
- आपको बहुत से कामों के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि सब चीजों के लिए आनलाइन अप्लाई कर सकते हैं जैसे कि पासबुक, चेक बुक, क्रेडिट कार्ड, इन सब के लिए आप आनलाइन अप्लाई कर सकते हैं
- आप अपने अकाउंट में कितना बैलेंस है और आपको कहीं से पेमेंट आया या नहीं यह सब आप आनलाइन देख सकते हैं।
- इंटरनेट बैंकिंग से हम बहुत से ऐसे काम घर बैठे कर सकते हैं जिसमें हमें पहले काफी समय लगता था जैसे शापिंग मोबाइल रिचार्ज डीटीएच रिचार्ज।
- अगर हम कोई सरकारी फार्म भरते हैं तो उसकी फीस जमा करने के लिए हमें लंबी लाइनों में खड़ा होना पड़ता था तो इसके लिए भी नेट बैंकिंग की सुविधा है आप अपने क्रेडिट कार्ड के जरिए ऐसी फीस को भर सकते हैं।
- मनी ट्रांसफर की सुविधा भी इंटरनेट की बहुत अच्छी उपलब्धि है अगर हमें अपना पैसा ट्रांसफर करना होता है जैसे हमें किसी को पेमेंट देनी है या किसी रिश्तेदारों की मदद करनी है या अपने वर्कर्स को मंथली सैलरी देनी होती है तो हम डायरेक्ट उनके खाते में मनी ट्रांसफर कर देते हैं इससे बहुत समय बच जाता है।
- नेट बैंकिंग की सुविधा से हम फिक्स डिपाजिट भी कर सकते हैं इसके लिए भी हमें बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ती हम डायरेक्ट अपने खाते में से अपने फिक्स डिपाजिट वाले खातों में पैसा ट्रांसफर कर सकते हैं।
- इंटरनेट के जरिए हम किसी भी तरह का टिकट भी बुक कर सकते हैं जैसे एयर लाइन, रेलवे स्टेडियम में मैच देखने के लिए।
- ग्राहकों को कभी भी और कहीं भी उनके बैंक में स्थायी पहुँच प्राप्त होती है।
- तुरंत और सुरक्षितत ट्रांन्जेक्शन।
- तत्काल फंड ट्रांसफर तत्काल पैसो कि आवश्यकता के समय ग्राहक की मदद करता है।
- यह ग्राहक का मूल्यवान समय बचाता है।

इंटरनेट बैंकिंग की सुरक्षा :–

किसी भी बैंक ग्राहक की वित्तीय जानकारी महत्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि ग्राहक वित्तीय संस्थानों पर भरोसा करता है। वित्तीय संस्थान इसे उच्च प्राथमिकता पर रखते हैं कि ग्राहकों के अकाउंट की सुरक्षा खतरे में न आए। फाईनेंस संस्थान इंटरनेट बैंकिंग को सुरक्षित बनाने के लिए दो प्रकार की सुरक्षा विधियों का उपयोग कर रहे हैं :–

- पिन का उपयोग–इस प्रणाली के लिए, एक पिन का उपयोग लाग–इन करने के लिए किया जाता है और **TAN** का उपयोग ट्रांन्जेक्शन करने के लिए किया जाता है। **TAN** एक वन–टाइम पासवर्ड हैं। **TAN** ग्राहक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर **SMS** के माध्यम से भेजा जाता है जो लाग–इन यूजर आईडी से मेल खाता है। यह थोड़े समय के लिए ही वैलिड होता है।
- **SSL** सक्षम वेबसाइटों के साथ वेब ब्राउजर का उपयोग करके इंटरनेट बैंकिंग का संचालन किया जाता है, इसलिए एन्क्रिप्शन एक महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। यह आधार के रूप में हस्ताक्षर वेरिफिकेशन का भी उपयोग करता है। इस पद्धति के तहत, ग्राहक द्वारा किए गए ट्रांन्जेक्शन पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए जाते हैं और एन्क्रिप्ट किए जाते हैं। स्मार्ट कार्ड या किसी अन्य मेमोरी स्टर्लिंग माध्यम का उपयोग हस्ताक्षर और एन्क्रिप्शन स्टोर करने के लिए किया जा सकता है।

Scanned with OKEN Scanner

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

E&Banking क्या है ?

बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ई–बैंकिंग की सुविधा इंटरनेट को एक माध्यम के रूप में उपयोग करती है। इस सुविधा के तहत सेवाओं में फंड ट्रांसफर, बिलों का भुगतान, बैंक अकाउंट आनलाइन खोलना और बहुत कुछ शामिल हैं।

ग्राहकों को ई–बैंकिंग देने के लिए मुख्य रूप से दो तरीके हैं :–

- इलेक्ट्रानिक ट्रांन्जेक्शन सेवा देने वाले भौतिक उपस्थिति बैंक।
- ट्रांन्जेक्शन सेवा प्रदान करने वाले वर्चुअल बैंक।

अधिकांश बैंकों की भौतिक उपस्थिति है और आनलाइन बैंकिंग सुविधा प्रदान करते हैं। लेकिन, कुछ बैंक ऐसे हैं, जिनकी कहीं भी कोई भौतिक उपस्थिति नहीं है। वे वर्चुअल बैंक हैं।

ई–बैंकिंग की विशेषताएं :–

ATM & ATM को आटोमेटेड टेलर मशीनों के रूप में जाना जाता है। ये मशीनें वास्तव में इलेक्ट्रानिक टर्मिनल हैं जो ग्राहकों को कभी भी पैसा निकालने कि सुविधा प्रदान करते हैं। **ATM** मशीनें **ATM** से इनपुट लेती हैं जो बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान करते हैं। **ATM** का उपयोग करने के लिए, ग्राहक के पास एक पासवर्ड होना चाहिए। निःशुल्क ट्रांन्जेक्शन की तय सीमा को पार करने के बाद किए गए प्रत्येक ट्रांन्जेक्शन पर बैंक ग्राहकों से मामूली शुल्क लेते हैं, यदि ट्रांन्जेक्शन किसी अन्य बैंक की **ATM** मशीन से किया जाता है।

डिपाजिट और विड्राल (डायरेक्ट) :–

ई–बैंकिंग के तहत यह सेवा ग्राहक को अकाउंट में नियमित रूप से भुगतान करने की सुविधा प्रदान करती है। ग्राहक बैंक को अपने बिलों का भुगतान करने, किसी भी प्रकार की किस्तों, बीमा भुगतानों और कई अन्य से पैसा निकालने का अधिकार दे सकता है।

फोन सिस्टम द्वारा भुगतान :–

यह सेवा ग्राहक को किसी भी बिल भुगतान के लिए अनुरोध करने या किसी अन्य अकाउंट में धनराशि ट्रांसफर करने के लिए अपने बैंक से संपर्क करने की अनुमति देती है।

प्वाइंट–आफ–सेल ट्रांसफर टर्मिनल :–

यह सेवा ग्राहकों को तुरंत डेबिट / क्रेडिट कार्ड के माध्यम से खरीदारी के लिए भुगतान करने की अनुमति देती है।

E&Banking के प्रकार :–

- **इंटरनेट बैंकिंग :–** ग्राहक इंटरनेट का उपयोग कर ट्रांन्जेक्शन करने के लिए कंप्यूटर या मोबाइल जैसे इलेक्ट्र०निक उपकरणों का उपयोग करता है।
- **ATM मशीन :–** ग्राहक **ATM** का उपयोग करके नकदी निकाल सकते हैं, नकदी जमा कर सकते हैं, फंड ट्रांसफर कर सकते हैं।
- **ई–चेक :–** ग्राहक पे–पल या अन्य ई–सेवा सर्विस का उपयोग करके फंड ट्रांसफर कर सकता है।

Internet Banking करते समय सावधानियां :–

- नेट बैंकिंग करते समय आपको अपना ही लैपटाप या कंप्यूटर इस्तेमाल करना है किसी और का या साइबर कैफे का कंप्यूटर इस्तेमाल ना करें इससे आपकी बैंक की जानकारी, पासवर्ड किसी और के पास पहुंच सकता है जिससे आपका अकाउंट भी हेक हो सकता है।
- थोड़े–थोड़े समय के अंतराल पर अपना पासवर्ड चेंज करते रहें ताकि आपका अकाउंट को कोई हैक ना कर सके।
- पासवर्ड चेंज करते समय इस बात का ध्यान रखें की पासवर्ड में कभी भी अपना नाम, मोबाइल नंबर, जन्म की तारीख कभी भी ना डालें इससे भी आपका अकाउंट हैक होने का खतरा रहता है।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

- नेट बैंकिंग करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि कोई व्यक्ति आपके आसपास तो नहीं है।
- जिस मोबाइल से लैपटाप से आप नेट बैंकिंग करते हैं उसमें एक एंटीवायरस साफ्टवेयर जरूर डाउनलोड कर ले इससे भी आपका आपका इंटरनेट अकाउंट सेफ रहेगा।
- अगर आपको शक हो कि मेरी इंटरनेट बैंकिंग अकाउंट की डिटेल लीक हो रही है तो तुरंत बैंक में जाकर संपर्क करें।

सन्दर्भ गन्थ सूची :-

1- इकनामिक टाइम्स, 1 मई 2009
2. हिन्दुस्तान लाइव, 5 अप्रैल 2010
3- www.google.com/wikipedia.com
4- www.wikipedia.com